पर्व

अमरकंटक में 50 हजार से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान, महिलाओं ने मौन रहकर किया स्नान

हरतालिका तीज पर नर्मदा घाटों में उमड़ा आस्था का सैलाब

अनूपपुर, नवभारत 14 सितंबर। हरतालिका तीज के पावन पर्व पर सोमवार को अनूपपुर जिले में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। अमरकंटक में मां नर्मदा सहित क्षेत्र की सोन, जुहिला, केवई, अलान, चंदास और तिपान नदियों में श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई।

अमरकंटक में तड़के करीब 4 बजे से ही नर्मदा के विभिन्न घाटों पर मौनी स्नान का सिलसिला शुरू हो गया, जो देर तक जारी रहा। सुहागिन महिलाओं, युवतियों और अन्य श्रद्धालुओं ने मौन रहकर नर्मदा में स्नान किया और भगवान शिव-पार्वती की पूजा-अर्चना की। अमरकंटक में नर्मदा स्नान और मंदिरों में दर्शन-पूजन के लिए 50 हजार से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान लगाया गया।

अखंड सौभाग्य और मनचाहे वर की कामना

हरतालिका तीज को भगवान शिव और माता पार्वती के अटूट प्रेम, तपस्या और समर्पण का पर्व माना जाता है। भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाए जाने वाले इस पर्व पर सुहागिन महिलाएं पति की लंबी उम्र, अखंड सौभाग्य और परिवार की सुख-समृद्धि के लिए व्रत रखती हैं। अविवाहित युवतियां मनचाहा वर पाने की कामना के साथ व्रत और पूजा करती हैं। पर्व पर मौन रहकर पवित्र नदी में स्नान करने की परंपरा का भी विशेष महत्व है।

घंटेश्वर महादेव मंदिर में रही श्रद्धालुओं की भीड़

अमरकंटक के नर्मदा मंदिर, अमरकंटक महादेव, पार्वती मैया, सिद्धेश्वर महादेव, 11 रुद्र महादेव और घंटेश्वर महादेव मंदिर में भी श्रद्धालुओं की भीड़ रही। जल, पुष्प और बिल्वपत्र अर्पित करने के लिए मंदिरों में लंबी कतारें लगी रहीं। इस दौरान हर-हर महादेव और मां नर्मदा के जयघोष से पूरी तीर्थनगरी गूंज उठी।

देर तक बनी रही भीड़

समाचार लिखे जाने तक नर्मदा घाटों और मंदिर परिसरों में श्रद्धालुओं की भीड़ बनी हुई थी। नर्मदा की कल-कल करती धारा, मंदिरों में गूंजते मंत्रोच्चार, शिवलिंग पर चढ़ता जल और बिल्वपत्र तथा शिव-पार्वती के जयकारों से पूरी तीर्थनगरी भक्तिमय नजर आई।

स्नान के बाद शिवालयों में किया जलाभिषेक

नर्मदा स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने विभिन्न शिवालयों में पहुंचकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। शिवलिंग पर जल, फूल और बिल्वपत्र अर्पित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। महिलाओं ने भगवान शिव और माता पार्वती से पति की लंबी आयु, अखंड सौभाग्य तथा परिवार की सुख-समृद्धि की प्रार्थना की।

दूर दराज के क्षेत्रों से पहुंची महिलाएं व युवतियां

हरतालिका तीज के अवसर पर अमरकंटक के विभिन्न नर्मदा घाटों पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ती गई। दूर-दराज के क्षेत्रों से महिलाएं, युवतियां और अन्य श्रद्धालु निजी वाहनों सहित विभिन्न साधनों से अमरकंटक पहुंचे। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने नर्मदा स्नान के बाद मंदिरों में दर्शन और पूजा-अर्चना की।

जय अम्बे कंपनी के खिलाफ ग्रामीणों का बड़ा आंदोलन

विभिन्न मांगों को लेकर खाड़ा में 8 घंटे बंद रहा कंपनी का काम

अनूपपुर, नवभारत 14 सितंबर। एसईसीएल के रामपुर बटुरा मेगा प्रोजेक्ट में कार्यरत जय अम्बे प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के खिलाफ सोमवार को खाड़ा गांव के ग्रामीणों का आक्रोश खुलकर सामने आया। स्थानीय रोजगार सहित विभिन्न मांगों को लेकर बड़ी संख्या में ग्रामीण परियोजना क्षेत्र में लामबंद हुए और कंपनी का काम 8 घंटे से अधिक समय तक बंद करा दिया। लंबे समय तक काम प्रभावित रहने से परियोजना क्षेत्र में हलचल की स्थिति बनी रही। ग्रामीणों का आरोप है कि परियोजना क्षेत्र के स्थानीय एवं प्रभावित परिवारों के बेरोजगार युवाओं को रोजगार में अपेक्षित प्राथमिकता नहीं दी जा रही है।

युवाओं को रोजगार के लिए संघर्ष क्यों करना पड़ रहा?

ग्रामीणों ने सवाल उठाया कि जिस क्षेत्र की जमीन और संसाधनों पर परियोजना संचालित हो रही है, उसी क्षेत्र के युवाओं को रोजगार के लिए संघर्ष क्यों करना पड़ रहा है। उन्होंने कंपनी प्रबंधन से भर्ती प्रक्रिया में स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता देने और प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने की मांग की।

कांग्रेस ने किया ग्रामीणों का समर्थन

आंदोलन की जानकारी मिलने पर पूर्व कांग्रेस जिला अध्यक्ष रमेश सिंह मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों की मांगों का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जमीन और लोगों के जीवन से जुड़ी परियोजना में स्थानीय युवाओं को रोजगार का प्राथमिक अधिकार मिलना चाहिए।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष गुड्डू सिंह चौहान भी पहुंचे

वर्तमान कांग्रेस जिला अध्यक्ष गुड्डू सिंह चौहान भी आंदोलन स्थल पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों से चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनीं और आंदोलन को समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि स्थानीय युवाओं को रोजगार देने के मामले में कंपनी को स्पष्ट और पारदर्शी नीति अपनानी चाहिए।

एक नजर में

15 किमी साईकिल चलाकर डुमना पहुंचे स्काउट-गाइड

जबलपुर। पश्चिम मध्य रेलवे भारत स्काउट एवं गाइड्स की ओर से रविवार को साइकिल रैली निकाली गई। डीआरएम कार्यालय परिसर स्थित स्काउट कार्यालय से शुरू हुई रैली करीब 15 किलोमीटर का सफर तय कर डुमना नेचर पार्क पहुंचकर संपन्न हुई। विभिन्न मार्गों से गुजरती रैली में स्काउट-गाइड के बच्चों के साथ लीडर भी शामिल रहे। रैली को जिला सचिव अनिल चौबे ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसका मार्गदर्शन अपर मंडल रेल प्रबंधक अभय कुमार गुप्ता, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी वरुण चतुर्वेदी और कार्मिक अधिकारी कल्याण सचिपति नंदन सहाय ने किया।

जहरीले कीड़े ने काटा वृद्धा की मौत

जबलपुर। घमापुर थाना अंतर्गत कांचघर में जहरीले कीड़े ने एक वृद्धा को काट लिया जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक नवीन सतनामी 25 वर्ष निवासी कांचघर ने सूचना दी कि उसकी दादी सुंदर बाई सतनामी 72 वर्ष को बीती रात लगभग 8 बजे बाथरूम गयी थीं जिन्हे जहरीले कीड़े ने हाथ में काट दिया था, दादी को उपचार के लिए विक्टोरिया अस्पताल से मेडिकल कॉलेज रेफर करने पर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराये थे दौरान उपचार के रविवार सुबह लगभग 7 बजे दादी की मौत हो गई।

शराब समेत दो पकड़ाए

जबलपुर। चरगवां पुलिस ने अवैध शराब के कारोबार में लिप्त दो तस्करों को गिरफ्तार किया जिनके कब्जे से 60 लीटर कच्ची शराब जप्त की गई। टीआई सरोजनी टोप्पो ने बताया कि उमरिया डुंगरिया रोड में घेराबंदी कर कृपाल गौंड़ 25 वर्ष व सुनील गौंड़ 20 वर्ष दोनों निवासी ग्राम डुंगरिया को दबोचा गया। जिसके पास रखे चारों कुप्पो में कच्ची शराब लगभग 60 लीटर भरी मिली। आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की गई।

सेवा संकल्प अभियान से पहुंचेगा सेवा का संदेश

एक माह तक होंगे विभिन्न जनकल्याणकारी कार्यक्रम

अनूपपुर, नवभारत 14 सितंबर। भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन एवं जनसेवा को जन-जन तक पहुंचाने और विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान चलाया जाएगा।

अभियान की जानकारी देने के लिए सोमवार को भाजपा जिला कार्यालय में प्रेस वार्ता आयोजित की गई। इसमें जयसिंहनगर विधायक एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मनीषा सिंह, जिला

अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम एवं जिला मीडिया प्रभारी राजेश सिंह उपस्थित रहे। विधायक मनीषा सिंह ने बताया कि अभियान की शुरुआत 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर सेवा दिवस के रूप में होगी।

सभी बूथों पर दीया कार्यक्रम आयोजित होंगे

इस दौरान रक्तदान शिविर सहित विभिन्न सेवा कार्य किए जाएंगे। प्रदेश के सभी बूथों पर शाम 7 बजे आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम आयोजित होगा। 2 अक्टूबर को स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। अभियान के तहत नमो सेवा-अनकही कहानियां कार्यक्रम में केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं से हुए बदलावों की कहानियां नुक्कड़ नाटक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों तक पहुंचाई जाएंगी।

हरतालिका तीज को लेकर बाजारों में रौनक

अमरकंटक नवभारत 14 सितंबर। पवित्र नगरी अमरकंटक में हरतालिका तीज पर्व के नजदीक आते ही महिलाओं के बीच उत्साह का माहौल दिखाई देने लगा है। बाजारों में पूजा सामग्री, मेहंदी, चूड़ियां, श्रृंगार सामग्री, फल-फूल और नई साड़ियों की खरीदारी तेज हो गई है। सुहागिन महिलाएं पति की सुख-समृद्धि, सुखी दाम्पत्य जीवन एवं दीर्घायु की कामना के लिए व्रत और पूजन की तैयारियों में जुटी हैं, वहीं युवतियां भी माता पार्वती और भगवान शिव की पूजा-अर्चना कर मनचाहे वर की कामना हेतु निर्जला व्रत रखती है। पर्व को लेकर घरों में विशेष सजावट की जाती है। तीज की पूर्व संध्या पर महिलाओं द्वारा मेहंदी लगाने, पारंपरिक गीत गाने और एक-दूसरे को शुभकामनाएं देने का सिलसिला शुरू हो गया है।

सेवानिवृत्त शिक्षकों का किया गया सम्मान

अनूपपुर, नवभारत। शिक्षा के क्षेत्र में अपना जीवन समर्पित करने वाले सेवानिवृत्त शिक्षकों के सम्मान में रविवार को शासकीय एकलव्य आवासीय विद्यालय, अनूपपुर में सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

समारोह में जिले के विभिन्न विद्यालयों से सेवानिवृत्त हुए शिक्षकों को शाल, श्रीफल एवं पुष्पमाला भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उनके दीर्घ सेवाकाल और विद्यार्थियों के शिक्षा, संस्कार एवं व्यक्तित्व निर्माण में दिए गए योगदान को याद करते हुए कृतज्ञता व्यक्त की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत सीईओ रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग, जिला शिक्षा अधिकारी एवं सहायक संचालक शिक्षा उपस्थित रहे।

शिक्षक समाज और राष्ट्र के निर्माता

मुख्य अतिथि ने कहा कि शिक्षक केवल विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम का ज्ञान देने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के भविष्य का निर्माता होता है। सेवानिवृत्त शिक्षकों ने अपने सेवाकाल में हजारों विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ संस्कार, अनुशासन और जीवन-मूल्यों की दिशा दी है। उनका अनुभव आज भी शिक्षा जगत और समाज के लिए अमूल्य है। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्ति शासकीय सेवा का अंत हो सकती है, लेकिन समाज और शिक्षा के प्रति शिक्षक की भूमिका कभी समाप्त नहीं होती।

सनातन के प्रहरी थे शंकराचार्य स्वरूपानंद सरस्वती

102वीं जयंती पर शिष्यों और अनुयायियों ने किया स्मरण

अनूपपुर, नवभारत 14 सितंबर। सनातन धर्म, भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना के प्रखर संवाहक ब्रह्मलीन जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती महाराज की 102वीं जन्मजयंती पर देशभर में श्रद्धा और भक्ति का वातावरण रहा।

शिष्यों, गुरु भाई-बहनों और अनुयायियों ने पूज्य गुरुदेव को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए उनके जीवन, साधना और राष्ट्र एवं समाज के प्रति किए गए कार्यों को याद किया। इस अवसर पर परम

धर्म सांसद श्रीधर शर्मा ने कहा कि स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती महाराज का पूरा जीवन सनातन धर्म, भारतीय संस्कृति और राष्ट्र सेवा के लिए समर्पित रहा। उनका व्यक्तित्व और कृतित्व आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत रहेगा।

दो पीठों की परंपरा को गौरवान्वित किया

श्रीधर शर्मा ने कहा कि आदि शंकराचार्य की महान परंपरा में दो-दो पीठों को सुशोभित करने वाले स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती जी महाराज ने सनातन धर्म की परंपराओं और आध्यात्मिक मूल्यों के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने धर्म को केवल पूजा-पद्धति तक सीमित न रखते हुए उसे समाज, संस्कृति और राष्ट्र के व्यापक हित से जोड़कर देखा।

श्रीराम जन्मभूमि के लिए उठाई थी आवाज

स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती जी महाराज का श्रीराम जन्मभूमि के पुनरुद्धार के प्रयासों में भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। अयोध्या में भगवान श्रीराम की जन्मभूमि पर भव्य मंदिर निर्माण के संकल्प को लेकर उन्होंने लंबे समय तक अपनी आवाज बुलंद की। मंदिर निर्माण के लिए चले विभिन्न प्रयासों के दौरान उनका मार्गदर्शन और सक्रिय भूमिका श्रद्धापूर्वक स्मरण की जाती है।

गोसलपुर गेट क्रं. 330 सात दिन बंद

जबलपुर। रेल पथ के अनुरक्षण एवं ओवरहॉलिंग कार्य के चलते गोसलपुर स्टेशन के पास स्थित समपार फाटक क्रमांक 330 पर सड़क यातायात सात दिन बंद रहेगा। रेलवे के अनुसार 13 सितंबर सुबह 8 बजे से 20 सितंबर शाम 5 बजे तक फाटक के अप-डाउन मार्ग पर आवागमन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। इस दौरान वाहन चालक धमकी फाटक के एलएचएस अथवा समपार फाटक क्रमांक 331 (गोसलपुर गेट) से आवागमन कर सकेंगे। रेलवे ने यात्रियों और आमजन से वैकल्पिक मार्ग अपनाने तथा निर्धारित अवधि में सहयोग करने की अपील की है।

मां पार्वती के श्राप से मुक्ति का माध्यम बना गणेश चतुर्थी व्रत

मैकल पर्वत पर चौसर के खेल से जुड़ी है पौराणिक कथा

अनूपपुर, नवभारत 14 सितंबर। देशभर में गणेश चतुर्थी का पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले के पवित्र नगरी अमरकंटक में भी इस पर्व का विशेष धार्मिक और पौराणिक महत्व बताया जाता है।

मान्यता के अनुसार गणेश चतुर्थी के व्रत की शुरुआत अमरकंटक स्थित मैकल पर्वत से हुई थी। इसका उल्लेख गणेश पुराण में मिलता है। मां नर्मदा के उद्गम स्थल अमरकंटक को भगवान भोलेनाथ और माता पार्वती से जुड़ा पवित्र क्षेत्र माना जाता है। यहां अमरकंटकेश्वर महादेव और जलेश्वर महादेव सहित अनेक धार्मिक स्थल हैं, जहां वर्षभर श्रद्धालुओं की भीड़ रहती है।

कार्तिकेय को दिया था सब कुछ भूल जाने का श्राप

मां नर्मदा मंदिर के प्रधान पुजारी पं. धनेश द्विवेदी वंदे महाराज के अनुसार, पौराणिक कथा में बताया गया है कि एक बार मैकल पर्वत पर भगवान शिव और माता पार्वती चौसर का खेल खेल रहे थे। दोनों ने अपने पुत्र कार्तिकेय को खेल के परिणाम का निर्णय करने के लिए कहा। खेल के दौरान माता पार्वती तीन बार विजयी हुईं,

लेकिन खेल समाप्त होने तक कार्तिकेय को नींद आ गई। माता पार्वती ने जब कार्तिकेय से पूछा कि खेल में कौन जीता, तो उन्होंने भूलवश भगवान शिव का नाम ले लिया। इससे माता पार्वती क्रोधित हो गईं और उन्होंने कार्तिकेय को सब कुछ भूल जाने का श्राप दे दिया।

श्राप से मुक्त होने का बताया उपाय

बाद में कार्तिकेय द्वारा क्षमा मांगने पर माता पार्वती ने उन्हें बताया कि इसी स्थान पर पांच नाग कन्याएं गणेश चतुर्थी का व्रत करने आएंगी। उनसे व्रत की विधि जानकर कार्तिकेय को 21 दिनों तक गणेश चतुर्थी का व्रत और पूजन करना होगा। ऐसा करने से वे श्राप से मुक्त हो जाएंगे और कैलाश पर्वत जाने का मार्ग भी उन्हें याद आ जाएगा।

लापरवाही **बेटा लगा रहा दफ्तरों के चक्कर, संबल का पैसा मिला, पर अंतिम संस्कार का हक अटका**

पिता के निधन के 3 साल बाद भी नहीं मिली अंत्येष्टि की राशि

कोतमा नवभारत 14 सितंबर। जनपद पंचायत अनूपपुर के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत रेऊला से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां सरकारी सिस्टम की लापरवाही और जनप्रतिनिधियों की बेरुखी का खामियाजा एक पीड़ित ग्रामीण को भुगतना पड़ रहा है।

वार्ड क्रमांक 9 के निवासी हरपाल सिंह को पिता पुरुषोत्तम सिंह की मृत्यु के 3 साल बीत जाने के बाद भी अंत्येष्टि सहायता राशि 5,000 की प्राप्ति नहीं हुई है। पीड़ित हरपाल सिंह ने अपनी आपबीती सुनाते हुए बताया कि उनके पिता पुरुषोत्तम सिंह का निधन 30 जुलाई 2023 को हुआ था।

जमा कर दिए थे आवश्यक दस्तावेज

पिता की मृत्यु के तत्काल बाद उन्होंने ग्राम पंचायत में आवश्यक दस्तावेज और जानकारी जमा करा दी थी। ताज्जुब की बात यह है कि संबल योजना के तहत मिलने वाली अनुग्रह सहायता राशि तो पीड़ित के खाते में आ गई, लेकिन

तत्काल राहत के रूप में दी जाने वाली 5000 की अंत्येष्टि राशि आज तक नहीं मिली।

तत्कालीन सचिव रोजगार सहायक और सरपंच झाड़ रहे पल्ला

तत्कालीन सचिव सुषमा रानी पांडे का कहना है कि वे वर्तमान में रेऊला पंचायत में पदस्थ नहीं हैं और इस मामले की सही जानकारी रोजगार सहायक ही दे सकते हैं। रोजगार सहायक ओम प्रकाश सिंह ने तर्क दिया कि वर्ष 2024 में ऑनलाइन फीडिंग की गई थी, राशि क्यों नहीं आई, यह देखना पड़ेगा। इस पूरे मामले पर जब ग्राम पंचायत सरपंच सुकुल सिंह से फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, तो उन्होंने फोन उठाना उचित नहीं समझा।

पंचायत की कार्यप्रणाली पर संदेह

इस पूरे घटनाक्रम का दूसरा सबसे चौंकाने वाला पहलू यह है कि ग्राम पंचायत के रोजगार सहायक ओम प्रकाश सिंह, पीड़ित हरपाल सिंह के रिश्ते में भाई लगते हैं। इसके बावजूद 3 साल तक यह फाइल अटकी रहना और नगद मिलने वाली राशि का अतापता न होना, पंचायत की कार्यप्रणाली पर गहरा संदेह पैदा करता है।